



Tanmay singh

12 Feb 2018

05:55 PM

Raipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709311

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12/02/2018
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 17:55:00 घंटे
इष्ट _____: 28:17:58 घटी
स्थान _____: Raipur
राज्य _____: Chhattisgarh
देश _____: India

अक्षांश _____: 21:16:00 उत्तर
रेखांश _____: 81:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:03:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 17:51:48 घंटे
वेलान्तर _____: -00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:21:49 घंटे
सूर्योदय _____: 06:35:48 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:59:18 घंटे
दिनमान _____: 11:23:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 29:37:32 मकर
लग्न के अंश _____: 29:27:05 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: सिद्धि
करण _____: तैतिल
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

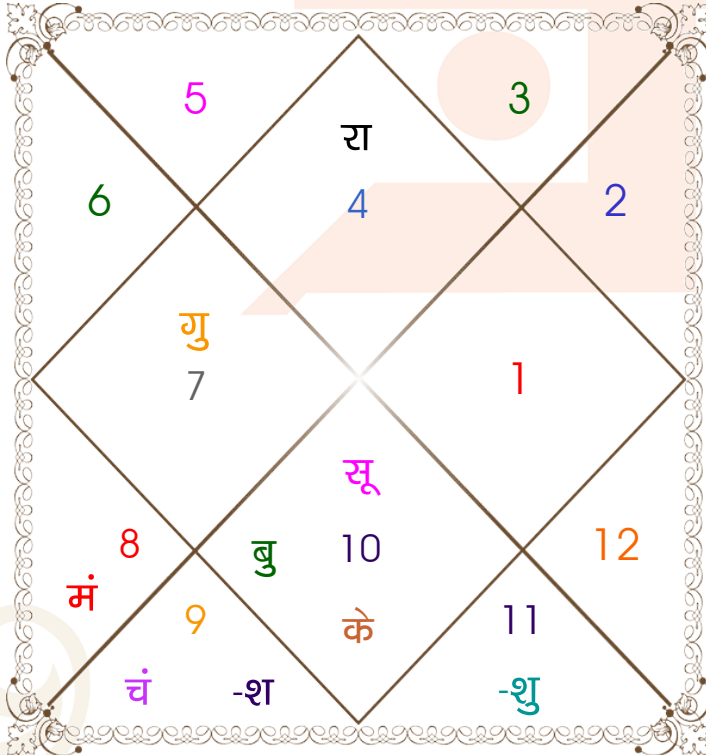
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:27:05	325:50:57	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मक	29:37:32	01:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	22:39:02	11:49:40	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:15:48	00:36:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध	अ	मक	25:47:00	01:44:37	01:44:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	28:10:52	00:04:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	07:49:45	01:15:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			धनु	11:50:37	00:05:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
राहु			कर्क	20:52:13	00:00:41	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:52:13	00:00:41	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	01:10:17	00:02:01	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	19:04:32	00:02:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	26:04:04	00:01:46	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			मेष	28:44:48	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	मंगल	--

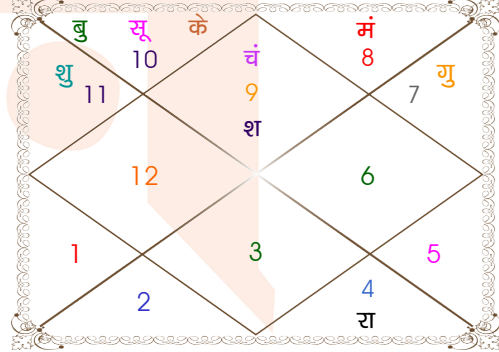
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:25

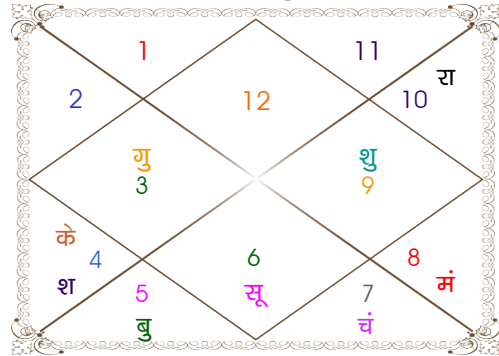
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 0 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
12/02/2018	22/02/2024	21/02/2030	22/02/2040	21/02/2047
22/02/2024	21/02/2030	22/02/2040	21/02/2047	21/02/2065
00/00/0000	सूर्य 10/06/2024	चंद्र 22/12/2030	मंगल 20/07/2040	राहु 04/11/2049
00/00/0000	चंद्र 10/12/2024	मंगल 24/07/2031	राहु 07/08/2041	गुरु 29/03/2052
00/00/0000	मंगल 17/04/2025	राहु 21/01/2033	गुरु 14/07/2042	शनि 03/02/2055
00/00/0000	राहु 11/03/2026	गुरु 23/05/2034	शनि 23/08/2043	बुध 22/08/2057
00/00/0000	गुरु 29/12/2026	शनि 23/12/2035	बुध 19/08/2044	केतु 10/09/2058
12/02/2018	शनि 11/12/2027	बुध 23/05/2037	केतु 15/01/2045	शुक्र 10/09/2061
शनि 22/02/2020	बुध 16/10/2028	केतु 22/12/2037	शुक्र 17/03/2046	सूर्य 04/08/2062
बुध 22/12/2022	केतु 21/02/2029	शुक्र 23/08/2039	सूर्य 23/07/2046	चंद्र 03/02/2064
केतु 22/02/2024	शुक्र 21/02/2030	सूर्य 22/02/2040	चंद्र 21/02/2047	मंगल 21/02/2065

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
21/02/2065	21/02/2081	22/02/2100	22/02/2117	23/02/2124
21/02/2081	22/02/2100	22/02/2117	23/02/2124	00/00/0000
गुरु 11/04/2067	शनि 25/02/2084	बुध 21/07/2102	केतु 21/07/2117	शुक्र 24/06/2127
शनि 22/10/2069	बुध 04/11/2086	केतु 18/07/2103	शुक्र 20/09/2118	सूर्य 23/06/2128
बुध 28/01/2072	केतु 14/12/2087	शुक्र 18/05/2106	सूर्य 26/01/2119	चंद्र 22/02/2130
केतु 03/01/2073	शुक्र 12/02/2091	सूर्य 25/03/2107	चंद्र 27/08/2119	मंगल 24/04/2131
शुक्र 04/09/2075	सूर्य 25/01/2092	चंद्र 23/08/2108	मंगल 23/01/2120	राहु 24/04/2134
सूर्य 22/06/2076	चंद्र 26/08/2093	मंगल 20/08/2109	राहु 10/02/2121	गुरु 23/12/2136
चंद्र 22/10/2077	मंगल 04/10/2094	राहु 09/03/2112	गुरु 17/01/2122	शनि 13/02/2138
मंगल 28/09/2078	राहु 10/08/2097	गुरु 15/06/2114	शनि 25/02/2123	00/00/0000
राहु 21/02/2081	गुरु 22/02/2100	शनि 22/02/2117	बुध 23/02/2124	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्या के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

